Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
January to March 2026, E-Journal, Vol. I, Issue LIII (53), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

किशोर अपराधियों के अपराध के कारणों पर माता की कार्यशीलता के प्रभाव का अध्ययन

डॉ. अमृता मौर्या *

*** 641, रेलवे कॉलोनी, झाँसी (उ.प्र.) भारत**

प्रस्तावना – 8 वर्ष से कम आयु के बालक जब कानून विरोधी कार्य करते हैं तो वे किशोर अपराधी कहलाते हैं। इन बालकों को इतनी कम उम्र में दंड देने के बजाय पुनर्वास केन्द्रों में भेजा जाता है जिससे उनमें सुधार आये और वे समाज की मुख्य धारा में पुन: शामिल हो सकें। 'अध्ययनों से पता चलता है कि किशोर अपराध कुल अपराधों का एक छोटा हिस्सा है, जो ऐतिहासिक रूप से लगभग 1 से 1.2% रहा है (थॉमस 2020)। इसके अलावा किशोर अपराधों का एक छोटा हिस्सा जघन्य अपराधियों की श्रेणी में आता है (15 चरू 2026)।'[1]

किशोर अपराधियों के अपराध के कारणों में पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, सामुदायिक पर्यावरण तथा मनोवैज्ञानिक कारण हो सकते हैं। नशे की लत, साथियों का दबाव, स्वयं का व्यक्तित्व, मीडिया इंटरनेट का प्रभाव आदि कारणों से भी किशोर अपराधी बन जाते हैं। जिन परिवारों में घरेलू हिंसा होती है, हर समय कलहपूर्ण वातावरण रहता है व अनुशासनहीनता भी पाई जाती है। माता पिता व अन्य सदस्यों के बीच तनाव रहता है। बच्चों की उपेक्षा की जाती है उन्हें पर्याप्त प्यार नहीं मिल पाता है। उन परिवारों के किशोरों के अपराधी बनने की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। किशोरों को गलत संगत मिलने से, मित्रों से आर्थिक असमानता होने या संसाधनों की कमी भी किशोरों को अपराध करने के प्रति प्रेरित करती है। विद्यालय में नियमित पढ़ाई न होना, अनुशासन व निगरानी की कमी भी किशोरों के अपराधी होने में सहायक हो सकते हैं। नकारात्मक सामाजिक माहौल, कानून व्यवस्था में कमी व नशे की लत किशोरों को अपराधी बनाने में सहायक हो सकती है।

'निम्न सामाजिक आर्थिक स्थिति, माता पिता का उदासीन रवैया, हीनभावना, ध्यान की कमी और अन्य कारण बच्चों और किशोरों में विभिन्न प्रकार की मनोवैज्ञानिक समस्याओं को जन्म दे सकते हैं। उदाहरण के लिये अवसाद, भय और हीनभावना, अत्यधिक आक्रामकता आदि। ये समस्यायें नाबालिगों को अपराध के लिये प्रेरित कर सकती हैं।'[2]

कार्यशील महिलाओं के बच्चे बचपन से आत्मनिर्भर बनने लगते हैं। वे अपने कैरियर का चयन समय रहते उचित ढंग से करते हैं। उन्हें सुख सुविधाएँ भी बेहतर उपलब्ध होती हैं। किन्तु माता के कार्यशील होने के कारण वे अपने बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाती हैं। विद्यालय से आने के बाद वे घर में स्वयं को अकेला पाते हैं इससे वे भावनात्मक रूप से स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगते हैं। माताएँ भी समय न दे पाने के कारण स्वयं में अपराध बोध का अनुभव करती हैं। इससे निजात पाने के लिये वे बच्चों की हर सही गलत मांगों को बिना विचारे पूरा करती रहती हैं। कम समय में अधिक प्यार देना चाहती हैं जिसकी पूर्ति वे उन्हें मंहगे वस्त्र, खिलौने व सामान दिलाकर करती हैं जिससे बच्चे खुश रहें। ये बच्चे किशोरावस्था में पहुँचने तक लाड़ प्यार में जिद्दी, महत्वाकांक्षी, आत्मनिर्भर व साहसी बन जाते हैं। माता पिता की निगरानी की कमी व गलत संगत उनके साहस को दुस्साहस में बदल देती है। इसके विपरीत यदि घरेलू माताओं के बालकों के पालन पोषण में भी माताएँ घर के कामों में व्यस्त रहती हैं। बालकों की देखरेख व निगरानी में कमी करती हैं बच्चों की छोटी मोटी गलतियों को पिता से छुपा कर रखती हैं तो इससे बच्चों को माता का संरक्षण उन्हें दुस्साहसी बना सकता है। वहीं उनका प्यार, उचित परवरिश उन्हें जिम्मेदार व कर्तव्यनिष्ठ किशोर बनने में सहायक हो सकते हैं। माता के कार्यशील होने या घरेलू होने का किशोरों के अपराधी बनने पर क्या प्रभाव हो सकता है यह जानने की इच्छा रही है। इसलिए मैंने अपने शोध पत्र का विषय– 'किशोर अपराधियों के अपराध के कारणों पर माता की कार्यशीलता के प्रभाव का अध्ययन' चुना है।

उद्देश्य :

1. कार्यशील माताओं के किशोर अपराधियों के अपराध के कारणों का अध्ययन करना।
2. घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों के अपराध के कारणों का अध्ययन करना।
3. कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों के अपराध के कारणों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना – कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों के अपराध के कारणों में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

शोध प्रविधि –इस अध्ययन में झाँसी संभाग के ललितपुर शहर के राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) ललितपुर (उ.प्र.) से 80 कामकाजी माताओं तथा 70 घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों का चयन उद्देश्यपूर्ण विधि से किया गया है। तथ्यों के संकलन हेतु प्रश्नावली का उपयोग किया गया है। तथ्यों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन व टी–परीक्षण का उपयोग किया गया है।

तथ्यों का वर्गीकरण एवं विश्लेषण

तालिका क्रमांक – 1: कार्यशील माताओं के किशोर अपराधियों के अपराध के कारण

कारण	N	अपराधी किशोरों की सहमति					
		सहमत		आंशिक सहमत		असहमत	
		संख्या	प्रति.	संख्या	प्रति.	संख्या	प्रति.
बदला लेना	80	37	46.25	05	6.25	38	47.5
उकसाया जाना	80	38	47.5	06	7.5	36	45.0
परिवार से प्यार न मिलना	80	36	45.0	07	8.75	37	46.25
गृहक्लेश से मानसिक तनाव	80	42	52.5	06	7.5	32	40.0
शारीरिक सौन्दर्य के प्रति आकर्षण	80	37	46.25	05	6.25	38	47.5
अकेलापन	80	42	52.5	04	5.00	34	42.5

तालिका क्रमांक–1 में कार्यशील माताओं के अपराधी किशोरों द्वारा बदला लेने के उद्देश्य से किये गये यौन अपराध संबधी सहमति/असहमति के समंक प्रदर्शित किये गये हैं। तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि 37(46.25%) किशोर अपराधियों ने बदला लेने के उद्देश्य से यौन अपराध करने की सहमति व्यक्त की है जबकि 38(47.5%) ने असहमति व्यक्त की है। 5(6.25%) ने आंशिक सहमति व्यक्त की है। यौन अपराध हेतु उकसाये जाने के लिए 38(47.5%) अपराधियों ने अपनी सहमति व्यक्त की है। 06(7.5%) ने आंशिक सहमति तथा 36(45.0%) ने असहमति, व्यक्त की है। परिवार से प्यार न मिलने के कारण यौन अपराध करने के उत्तर के संबंध में 36(45.0%) ने सहमति, 7(8.75%) ने आंशिक सहमति तथा 37(46.25%) ने असहमति व्यक्त की है। 42(52.5%) किशोर अपराधियों ने घर की कलह से उत्पन्न मानसिक तनाव दूर करने हेतु यौन अपराध करने संबंधी सहमति व्यक्त की है तथा 6(7.5%) अपराधियों ने आंशिक सहमति व्यक्त की है जबकि 32(40.0%) अपराधियों ने असहमति व्यक्त की है। 37(46.25%) किशोर अपराधियों ने शारीरिक सौन्दर्य से आकर्षित होकर यौन अपराध करने की सहमति व्यक्त की है तथा 5(6.25%) ने आंशिक सहमति व्यक्त की है जबकि 38(47.5%) अपराधियों ने अपनी असहमति व्यक्त की है। 42(52.5%) किशोरों ने अकेलापन महसूस करने के कारण यौन अपराध करने के संबंध में अपनी सहमति दी है, 4(5.0%) ने आंशिक सहमति व 34(42.5%) ने असहमति दी है।

तालिका क्रमांक – 2: घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों के अपराध के कारण

कारण	N	अपराधी किशोरों की सहमति					
		सहमत		आंशिक सहमत		असहमत	
		संख्या	प्रति.	संख्या	प्रति.	संख्या	प्रति.
बदला लेना	70	32	45.71	05	7.14	33	47.14
उकसाया जाना	70	33	47.14	02	2.85	35	50.00
परिवार से प्यार न मिलना	70	31	44.28	05	7.14	34	48.57
गृहक्लेश से मानसिक तनाव	70	31	44.28	07	10.00	32	45.71
शारीरिक सौन्दर्य के प्रति आकर्षण	70	34	48.57	03	4.28	33	47.14
अकेलापन	70	36	51.42	02	2.85	32	45.71

तालिका क्रमांक–2 में घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों के अपराध के कारणों संबंधी तथ्य प्रदर्शित किये गये हैं। तालिका से प्रदर्शित होता है कि बदला लेने के उद्देश्य से किये गये यौन अपराध के संबंध में 32(47.71%) किशोरों ने सहमति, 05(7.14%) ने आंशिक सहमति तथा 33(47.14%) ने असहमति व्यक्त की है। यौन अपराध करने हेतु उकसाये जाने के संबंध में 33(47.14%) किशोरों ने सहमति, 2(2.25%) ने आंशिक सहमति तथा 35(50.0%) ने असहमति व्यक्त की है। परिवार से प्यार न मिलने के कारण यौन अपराध करने के संबंध में 31(44.28%) किशोरों ने सहमति तथा 5(7.14%) ने आंशिक सहमति दी है जबकि 34(48.57%) असहमत हैं। गृह क्लेश से उत्पन्न मानसिक तनाव दूर करने हेतु यौन अपराध करने के संबंध में 31(44.28%) किशोरों ने सहमति दी है तथा 7(10.0%) ने आंशिक सहमति दी है जबकि 32(45.71%) असहमत पाये गये हैं। शारीरिक सौन्दर्य के प्रति आकर्षित होकर किये जाने वाले यौन अपराध के संबंध में 34(48.57%) किशोरों ने सहमति तथा 3(4.28%) ने आंशिक सहमति दी है जबकि 33(47.14%) किशोरों ने असहमति व्यक्त की है। अकेलापन महसूस होने के कारण यौन अपराध किये जाने के संबंध में 36(51.42%) किशोरों ने सहमति व्यक्त की है तथा 2(2.85%) ने आंशिक सहमति व्यक्त की है जबकि 32(45.71%) किशोरों ने अपनी असहमति व्यक्त की है।

तालिका क्रमांक–3 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

तालिका क्रमांक – 3 में कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों के अपराध के कारणों के तुलनात्मक तथ्य प्रस्तुत किये गये हैं। तालिका दर्शाती है कि कार्यशील माताओं के किशोरों में बदला लेने के उद्देश्य से 37(24.66%), उकसाये जाने के कारण 38(25.33%), परिवार से प्यार न मिलने के कारण 36(24.0%) गृहक्लेश से उत्पन्न मानसिक तनाव के कारण 42(28.0%), शारीरिक सौन्दर्य के प्रति आकर्षण के कारण 37(24.66%) तथा अकेलेपन के कारण 42(28.0%) किशोरों ने यौन अपराध करने के संबंध में अपनी सहमति व्यक्त की है जबकि घरेलू माताओं के किशोरों में बदला लेने के उद्देश्य से 32(21.33%), उकसाये जाने के कारण 33(23.0%), परिवार से प्यार न मिलने के कारण 31(20.66%), गृहक्लेश से उत्पन्न मानसिक तनाव के कारण 31(20.66%), शारीरिक सौन्दर्य के प्रति आकर्षण के कारण 37(24.66%), अकेलापन महसूस होने के कारण 42(28.0%) किशोर अपराधियों ने यौन अपराध करने के संबंध में अपनी सहमति व्यक्त की है।

तालिका क्रमांक – 4 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

तालिका क्रमांक – 4 में कार्यशील एवं घरेलू माताओं के अपराधी किशोरों के अपराध के कारणों का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए निर्मित की गई शून्य परिकल्पना– 'कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों के अपराध के कारणों में सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।' के सत्यापन हेतु प्रयुक्त टी–टेस्ट संबंधी आंकड़े प्रदर्शित किये गये हैं। तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि कार्यशील माताओं के अपराधी किशोरों के कारणों का मध्यमान 2.04 है तथा घरेलू माताओं के अपराधी किशोरों के कारणों का मध्यमान 2.0 है। टी–परीक्षण का परिगणित मूल्य 148 स्वतंत्र्यांश पर 0.8147 है जो कि 0.05 स्तर पर असार्थक है। अत: शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है। इससे सिद्ध होता है कि कार्यशील माताओं एवं घरेलू माताओं के अपराधी किशोरों के यौन अपराध के कारणों में सार्थक

अंतर नहीं पाया गया है। दोनों प्रकार की माताओं के अपराधी किशोरों के अपराध के कारण लगभग मिलते-जुलते पाये गये हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि किशोरों द्वारा किए गए अपराध के कारणों माता के कार्यशील या घरेलू होने का प्रभाव नहीं पाया जाता।

निष्कर्ष – कार्यशील एवं घरेलू महिलाओं के किशोर अपराधियों के कारणों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। अत: किशोरों द्वारा किये गये अपराध के कारणों पर माता के कार्यशील या घरेलू होने का प्रभाव नहीं पाया गया।

सीमाएँ एवं सुझाव – प्रस्तुत शोध अध्ययन में किशोर अपराधियों के अपराध संबंधी कारणों में बदला लेना, उकसाया जाना, परिवार से प्यार न मिलना, गृह क्लेश से मानसिक तनाव होना, शारीरिक सौन्र्य के प्रति आकर्षण तथा अकेलापन महसूस होना सम्मिलित किये गये हैं। माता-पिता को इन कारणों को दूर करना चाहिये। अपराध करने के अन्य कारण आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक, मनोवैज्ञानिक संबंधी हो सकते हैं तथा मीडिया व इंटरनेट का प्रभाव आदि पर शोध कार्य किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. https://www.cdpp.co.in
2. https://www.penalreform.org
3. https://www.myupchar.com
4. https://him.wikipedia.org>wiki

तालिका क्रमांक-3: कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों के कारणों की तुलनात्मक तालिका

कारण	N	कार्यशील माताओं के अपराधी किशोर						घरेलू माताओं के अपराधी किशोर					
		सहमत		आंशिक सहमत		असहमत		सहमत		आंशिक सहमत		असहमत	
		सं.	प्रति.	सं.	प्रति.	सं.	प्रति.	सं.	प्रति.	सं.	प्रति.	सं.	प्रति.
बदला लेना	150	37	24.66	05	3.33	38	25.33	32	21.33	05	3.33	33	22.00
उकसाया जाना	150	38	25.33	06	4.00	36	24.00	33	22.00	02	1.33	35	23.33
परिवार से प्यार न मिलना	150	36	24.00	07	4.66	37	24.66	31	20.66	05	3.33	34	22.66
गृहक्लेश से मानसिक तनाव	150	42	28.00	06	4.00	32	21.33	31	20.66	07	4.66	32	21.33
शारीरिक सौन्दर्य के प्रति आकर्षण	150	47	24.66	05	3.33	38	25.33	34	22.66	03	2.00	33	22.00
अकेलापन	150	42	28.00	04	2.66	34	22.66	36	24.00	02	1.33	32	21.33

तालिका क्रमांक – 4: कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों के कारणों के मध्यमान, मानक विचलन एवं टी-परीक्षण की तालिका

विकल्प	मध्यमान (Mean)	मानक विचलन (SD)	स्वतंत्र्यांश	'टी' परीक्षण का मूल्य	सार्थकता स्तर
कार्यशील माताओं के अपराधी किशोर(N=80)	2.04	0.97	148	0.8147	p>0.05
घरेलू माताओं के अपराधी किशोर(N=70)	2.0	0.98			

*0-05 स्तर पर सार्थक

****